

बिजुरिया ssssss चमकी. जमना के तीर ॥२॥

डर मोहे लागे. मेरे कन्हैया-जाने है जमना पार
श्याम सलौने-मेरे गिरधर- लुम्हीं लगाओ पार

बिजुरिया sssss -----

दहिया बेंचन बृज में आई. आज भई अंधियारी
होड़ो-होड़ो बहियाँ होड़ो- नाम धरे नर नारी

बिजुरिया sssss -----

घड़कन लागी हलियाँ मोरी. रास ननद मोहे डाँटे
तुम "श्रीबाबाश्री" बस रास के रासिया
दुख काहे न बाँटे

बिजुरिया ssssss -----